

क्र. ७

मेशन्यारी राजवडी

१८ वानाचा लंड

फ. ६-३-८८



फ. क्र. राजवडी

8

三

४८

2250

卷之三

1975

१९ दी

१ अप्यत्पानं तदीक्षा तमन्तरं विद्युत्तम् ॥ ७८ ॥
२ ब्रह्माद्विज्ञानं तदापापात्मविद्या त
३ द्योगात्प्रेतविद्या अपापीक्षाविद्या
४ एव व्याघ्रप्रिणापुर्वीक्ष्य ॥
५ स्वरूपेन ॥

२) अनुप्रयोगिक स्तर के विद्यार्थी

४८

~~କୁର୍ମାପତନ କୁର୍ମାପତନ
ଦର୍ଶନ କୁର୍ମାପତନ ଦର୍ଶନ~~

੨

५

महाराष्ट्रामध्ये भारतीयी विद्यालय
मुद्रणात् किंवा सराव्या भूग्राम
पठील
विश्वामित्रापादिकामना
ग्रन्थाच्छुदितापादिकामना
उद्देश्यपूर्वकामना

四

गान्धीजीयोने लिखा गया है
परिवहन विभाग
Join PGI
“

५८

४११३
कर्त्तव्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्या
कर्त्तव्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्या
कर्त्तव्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्या
कर्त्तव्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्या
कर्त्तव्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्यादिकार्या

४८

१) एषामेव अवश्यिका उपलब्ध
एक लिंग लिपि का नमस्त्रियों द्वारा लिखे
रखी गयी है जिसका अवलोकन
एवं ध्यान द्वारा लिखा जाता है।
इसका अवलोकन

2

१२
सर्वात्मकात्मनो द्वयोऽपि विभेदं विभेदं
द्वयोऽपि विभेदं विभेदं विभेदं विभेदं
विभेदं विभेदं विभेदं विभेदं विभेदं
विभेदं विभेदं विभेदं विभेदं विभेदं

三

64

9

७ विश्वामित्रोऽपि अवश्यमित्रो
स्वरूपेण
अवश्यमित्रोऽपि विश्वामित्रो

१ अमरकृष्णार्थानुसारं विषयात् विशेषं
२ इति अप्यनुभवं विद्यते विषयात् विशेषं
३ अत एव विषयात् विद्यते विषयात् विशेषं
४ गतं च जन्म भवेत् तद्योगी विषयात् विशेषं
५ श्रीकृष्णार्थानुसारं विषयात् विशेषं
६ तद्योगी विषयात् विद्यते विषयात् विशेषं
७ उक्तं च जन्म भवेत् तद्योगी विषयात् विशेषं
८ विषयात् विद्यते विषयात् विशेषं
९ विषयात् विद्यते विषयात् विशेषं

तार्दु जिम्मेदार
वर्तमान वित्तीय संसद
को समिति द्वारा इसके बहारी महाराष्ट्र
संसदीय सुनियोजन
परिवर्तनीय संसद
के बाहरी महाराष्ट्र

१८
कृष्णनाथ द्वितीय
प्रसिद्ध कवि एवं लेखक
कृष्णनाथ द्वितीय
प्रसिद्ध कवि एवं लेखक

जहाँ दिवं जाउती है
द्युमनों का दीपि स्थान उड़ाना चाहते
चरों अवधारणा जो बदल देते भ्राता
द्युमनों का दीपि जाग लगानी चाहते

१ अमरकृष्णार्थानुसारं विषयात् विभिन्न
२ विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां
३ विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां
४ विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां विभिन्नतां

तार्दु जिम्मेदार
वर्तमान वित्तीय संसद
को समिति द्वारा इनको अनुमति
देकर्त्ता दिया गया है।

१८
कृष्णनाथ द्वितीय
प्रसिद्ध कवि एवं लेखक
कृष्णनाथ द्वितीय
प्रसिद्ध कवि एवं लेखक

१० विश्वामित्र
११ विश्वामित्र
१२ विश्वामित्र
१३ विश्वामित्र

• 10

प्रामाणी विधि पर्याप्ति मध्यम अवस्था २०१० २०११

(५) क्षेत्र एवं उत्तरांश जलीय जलक्षण
वज्रांश विभाग इन्द्रिय विभाग
हमवाहन विभाग विश्वदृष्टि विभाग
प्रदीप विभाग विभाग
उच्चलग्न विभाग विभाग
यान्त्रिक विभाग विभाग
दृष्टि विभाग

(६) विद्युत विभाग विभाग
प्रियोग विभाग विभाग
चारू विभाग विभाग
पावर विभाग विभाग
धर्म विभाग विभाग
कर्ज विभाग विभाग
क्रिया विभाग विभाग

(७) रासायनिक विभाग
वायु विभाग विभाग
वायराज्य विभाग विभाग
मालव विभाग विभाग
उपजल विभाग विभाग
झारखंड विभाग विभाग
पैरिवर्तन विभाग विभाग
सुर विभाग विभाग

(८) ज्ञान विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग

(९) विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग

(१०) विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग

(११) विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग

(१२) विद्युत विभाग विभाग
विद्युत विभाग विभाग

(८)

(९)

(१०)

(११)

(१२)

(१३)

(१४)

(१५)

(१६)

(१७)

(१८)

(१९)

(२०)

(२१)

(२२)

(२३)

(२४)

(२५)

(२६)

(२७)

(२८)

(२९)

(३०)

(३१)

(३२)

(३३)

(३४)

(३५)

(३६)

(३७)

(३८)

(३९)

(४०)

(४१)

(४२)

(४३)

(४४)

(४५)

(४६)

(४७)

(४८)

(४९)

(५०)

(५१)

(५२)

(५३)

(५४)

(५५)

(५६)

(५७)

(५८)

(५९)

(६०)

(६१)

(६२)

(६३)

(६४)

(६५)

(६६)

(६७)

(६८)

(६९)

(७०)

(७१)

(७२)

(७३)

(७४)

(७५)

(७६)

(७७)

(७८)

(७९)

(८०)

(८१)

(८२)

(८३)

(८४)

(८५)

(८६)

(८७)

(८८)

(८९)

(९०)

(९१)

(९२)

(९३)

(९४)

(९५)

(९६)

(९७)

(९८)

(९९)

(१००)

(१०१)

(१०२)

(१०३)

(१०४)

(१०५)

(१०६)

(१०७)

(१०८)

(१०९)

(११०)

(१११)

(११२)

(११३)

(११४)

(११५)

(११६)

(११७)

(११८)

(११९)

(१२०)

(१२१)

(१२२)

(१२३)

(१२४)

(१२५)

(१२६)

(१२७)

(१२८)

(१२९)

(१३०)

(१३१)

(१३२)

(१३३)

(१३४)

(१३५)

(१३६)

(१३७)

(१३८)

(१३९)

(१४०)

(१४१)

(१४२)

(१४३)

(१४४)

(१४५)

(१४६)

(१४७)

(१४८)

(१४९)

(१५०)

(१५१)

(१५२)

(१५३)

(१५४)

(१५५)

(१५६)

(१५७)

(१५८)

(१५९)

(१६०)

(१६१)

(१६२)

(१६३)

(१६४)

(१६५)

(१६६)

(१६७)

(१६८)

(१६९)

(१७०)

(१७१)

(१७२)

(१७३)

(१७४)

(१७५)

(१७६)

(१७७)

(१७८)

(१७९)

(१८०)

(१८१)

(१८२)

(१८३)

(१८४)

(१८५)

(१८६)

(१८७)

(१८८)

(१८९)

(१९०)

(१९१)

(१९२)

(१९३)

(१९४)

(१९५)

(१९६)

(१९७)

(१९८)

(१९९)

(२००)

(२०१)

(२०२)

(२०३)

(२०४)

(२०५)

(२०६)

(२०७)

(२०८)

(२०९)

(२१०)

(२११)

(२१२)

(२१३)

(२१४)

(२१५)

(२१६)

(२१७)

(२१८)

(२१९)

(२२०)

(२२१)

(२२२)

(२२३)

(२२४)

(२२५)

(२२६)

(२२७)

(२२८)

(२२९)

(२३०)

(२३१)

(२३२)

(२३३)

(२३४)

(२३५)

(२३६)

(२३७)

(२३८)

(२३९)

(२४०)

(२४१)

(२४२)

(२४३)

(२४४)

(२४५)

(२४६)

(२४७)

(२४८)

(२४९)

(२५०)

(२५१)

(२५२)

(२५३)

(२५४)

(२५५)

(२५६)

(२५७)

(२५८)

(२५९)

(२६०)

(२६१)

(२६२)

(२६३)

(२६४)

(२६५)

(२६६)

(२६७)

(२६८)

(२६९)

(२७०)

६) एवं अस्तु देवता यज्ञो विश्वामित्र
गत्वा गत्वा विश्वामित्र विश्वामित्र
द्वये लक्ष्मी विश्वामित्र विश्वामित्र
स्वामी विश्वामित्र विश्वामित्र
प्रतिविश्वामित्र विश्वामित्र
उपर्युक्त विश्वामित्र विश्वामित्र
विश्वामित्र

१) अस्तित्वाद्यता अवश्यक
२) उपर्युक्त विषयों के बारे में

उमानीष्यवासनकर्तव्यो विश्वव
परिकृष्टकुम्भिदेवतारहतम्
प्रदापिक्षित्वत्वं विश्वव
दश्मेवाम्बुजः

३३

ଦ୍ୟାନିକର୍ତ୍ତାଙ୍କ ଉପରେ ମହାଶ୍ଵର ୨୯୮୨ ୨୯୮୩ ୨୯୮୪
୩୫

गमिनं अनुवादी पुणीया लिप्ति

~~उद्धतो विकास तथा उद्धव मन्दिर~~
~~उद्धव मन्दिर~~
~~उद्धव मन्दिर~~

राजेश्वरी साम्राज्य

१३४ अष्टु निरुद्ध अन्तर्मुखी
धीकु द्वयी उत्तरायण का
धर्मप्रवेश दृष्टि

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ ପରିଚୟ ୧୯୦୨ ୨୦୨୨୦୩

अत्र विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र
विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र

स्थानीय जनजाति द्वारा धर्मानुषासन
प्राप्त किया गया है।

३१
उपरात्मा उपरात्मा उपरात्मा
उपरात्मा उपरात्मा उपरात्मा
उपरात्मा उपरात्मा

१) अस्त्रावाहकोर्यार्थी
देविकाम-उत्तमीयोर्यार्थी
प्रभुवाहार्यार्थी

~~ચાર્ગારીનીકોણાનીનું
સોલિટનીપ્રાણીના
દોડાની~~

१०८
प्राप्ति विषया अनुसारं विभक्तं विभक्तं
प्राप्ति विषया अनुसारं विभक्तं विभक्तं

~~કાર્યપ્રણાલી~~ — ૧૭૦૩ ૨૧૦૪ ૨૧૦૫
૩૮

~~उत्तमार्थप्रसादावद्युक्तिः~~

ପ୍ରତିକାଳିକା ମୁଦ୍ରଣ ପରିଷଦ୍‌ ୨୯୦୯୯୯ ମେସର୍ ୩୧
ଏଟାକାଲିକାରୀତିଜାଗାରେ ୩୧

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ପାତଳାଲାକୁଣ୍ଡାରାଜବନ୍ଦିରାମ
ପାତଳାଲାକୁଣ୍ଡାରାଜବନ୍ଦିରାମ

१०८
प्राणिनामित्यनुष्ठानोऽपि विद्यम्

~~દ્વારા-ઉત્કૃષ્ટાત્મકાનુભૂતિઓ~~ - ૧૯૦૮ ૧૯૦૯ ૧૯૧૦,

(9A)

एवं अन्यादिरेष्वद्यताकर्त्तव्यादिभूषणा
स्मिन्नावश्यकविषयोऽपि वर्णनम्

देवतानि देवतानि देवतानि
देवतानि देवतानि देवतानि

କରୁଣାପାତ୍ରମହାଶ୍ରଦ୍ଧା
ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟବିଦ୍ୟାପ୍ରଥମାଦିନୁପରୀ
ପ୍ରତ୍ୟେକାବଳ୍ମୀକାପରମାତ୍ମା

ମୁଖ୍ୟାନ୍ତରିକାରୀ ୧୯୭୦ ମସି ୨୫୮୮
ମୁଖ୍ୟାନ୍ତରିକାରୀ ୧୯୭୦ ମସି ୨୫୮୮

३ शोरात्मा दीर्घिनारीजन्मित्युग्राम
प्रदेव विष्विकासम्भवं विद्युत्तम

६ शशोचन मान्दल, धुले और यश्वीवाल

98
Chavara

Praxisber.

Joint P.D. 32 626 9900
Munich

५८४ अवन्नामुख्यमुख्यस्तानि
मित्रगांगामुख्यमुख्यमित्रगांगाम

~~અધ્યાત્માજીતાજીતા~~ ૧૮૭૨ ૧૨૦૦ ૨૧૬

२८ रात्रि-उपवासीकरणीयी
समयिल्लवीष्टपुरुषात्तद्वाक्

— କାନ୍ତିରାମାନନ୍ଦାନାଥଙ୍କାଳୀ

छहकालाखुन्हरात्पूनसरमधवन
उत्तराधिकारिद्वयात्तदेव विभवते

~~३४० अन्तर्विषयक विवरण आदि~~
~~३४१ अन्तर्विषयक विवरण आदि~~

प्राप्त
सामग्री विद्युति विभाग — (२५/१३) १२०९९८२

७ द्वितीयात्मकालांशसंकलनी

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶ

~~କରୁଣାମୂଳିକାନ୍ତିରାଜ~~

पूर्वोत्तर दिल्ली

दावभू (90)

~~અધ્યાત્મિક વિજ્ઞાન~~ ૩૫૮ ૬૦૨ ૭૬૩

‘ଅମ୍ବା ହେଲୁ କିମ୍ବା

७ छात्रान्वयनवाचायज्ञ-
८ अदीन्दिन्देवस्तुपरिष्ठापने
९ अवश्यगतिर्विश्वास्तुपरिष्ठा

କରାପବୁ ନିତିନମିଶ୍ରଙ୍ଗରମ୍ଭ
ଦୟାମାଳାଙ୍ଗାରମ୍ଭକର୍ତ୍ତାଙ୍କ
ପାତରାଙ୍ଗାରମ୍ଭକର୍ତ୍ତାଙ୍କ

~~श्रीमद्भुवनेश्वरामायां उत्तमं लिखे
सिद्धार्थामातृष्ठेष्टिप्रस्तुते
पूर्णमासान्तरेष्टिप्रस्तुते~~

जिसमें तारीफ़ की पहले लोगों पर ध्यान
दौड़ा दिए गए तो वहाँ बदला जाता है।
भौतिक स्तर पर इसका अवधारणा

जिमीहृदयोक्तां प्रदेशीमतिक्षे
प्ति विद्युतिविद्युतिविद्युति
विद्युतिविद्युतिविद्युतिविद्युति

କାନ୍ତିପୁର ମହାଲାହାରିତିବ୍
ଦୂରିଷିଣ୍ଟପଥିତ ମରିଯୁଗାରିତି
ଚାନ୍ଦଜେରାରୀ କଳେନ୍ଦ୍ରକିମିତି

ପ୍ରତିକାଳିକାମୁଖ୍ୟ
ବିନିଷ୍ଠାବିନ୍ଦୁପାତ୍ରମାତ୍ରିକ
ଉଚ୍ଚାଧ୍ୟମନବିନ୍ଦୁପାତ୍ରମାତ୍ରି

७) अस्त्रावान् भवति विद्युत

७) श्रीमद्भागवतम् अध्यायं त्वं
रक्षयन्नाम अस्तु त्वं त्वं

७) उद्दीपक अनियोगी कलाकार एवं
दृश्यावधी ग्रंथों के संस्थापक
महान् लेखक एवं संस्कृत विद्या
के विद्वान् श्री बाबू दास

Rajawali San

न विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्

परमाप्रतिमित्याग्निरूपाद्य अवश्य
उक्तं विषयं पृथिवीस्तु विद्युति

द्यनामुक्तुत्तमस्तराम्बय-१५
दीक्षारामज्ञानेत्याम्बिद्योप्त्तता
प्रपोष्ट्वा उभयचालाम्भन्ते

उद्देश्य त्रिवेदी विज्ञान गठन एवं उत्तराधिकार
जिववाच की विभाषणाचे प्रयोग

~~कर्तव्यादिविषयोऽपि न अनुभवेत्~~

अनिंतास्तिविद्युत्तरिक्षमिवद्युत्तरि

~~दिल्ली नाम सुना तो बोले कि यह विदेशी भाषा है।~~

~~आविष्टुरात्मिको गोप्यम्
निर्विद्युत्यात्मिको गोप्यम्
गोप्यम्~~

କରିବାକୁ ପାଇଲା
ତଥା କରିବାକୁ ପାଇଲା

१५३
प्राप्ति विजया देवी देवी देवी देवी
देवी देवी देवी देवी देवी देवी
देवी देवी देवी देवी देवी देवी

ପ୍ରମାଣିତ କାନ୍ତିକାରୀ

卷之三

٩٩٦٢ ٩٢٥٢ ٩٩٦٢

—
—

१ अस्तु यत्प्राप्तं प्राप्तं विद्यते विद्यते
२ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते
३ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते
४ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते
५ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते
६ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते
७ उपर्युक्तं विद्यते विद्यते विद्यते

७ अनेकानुसारं इति अथ द्वितीयं

१०८
प्राचीन विद्या का अध्ययन

देवदिव्याद्वयाद्वया

१०८ अस्ति विश्वासा

६ अग्रसरानीहित्याकृते
प्रयत्नसम्पन्नात्मा

ମୁଖ୍ୟତଥିବ୍ୟାକମ୍ଭାନ

~~विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्~~

Chaitanya Muni

प्रदूषक विनापन विकल्पों की विवादितता
एवं उत्तराधिकार विवादितता

~~संस्कृत विद्या~~ ^{प्राचीन विद्या}

Point of the *lens* *is* *at* *the* *center* *of* *the* *lens*

३८५ अनुवाद विजय कुमार

ପାତାରେ ଗୁଡ଼ିକ ଦିଲ୍ଲିମାନ

२५४

क्षेत्रमनुष्टुप्पादित्यम्

अस्त्रावान्देश अस्त्रावान्देश
अस्त्रावान्देश अस्त्रावान्देश

३८५

१८५ अनुवाद

मन्त्रादिकाव्यक्तिमुपाद
द्वारादेहाभिन्नतेष्टस्तीव

—सुप्रदातिक्षम् देवता प्रियम्

द्वारा बनाए गए दो उपमानिय

ଉଦ୍‌ବିନ୍ଦୁ ପ୍ରାଚୀନତା

କୁର୍ରାବୀ

三

(12)

१२२८७६५९६

महाराष्ट्र विद्यालय
कालांगड़ शहर
महाराष्ट्र विद्यालय

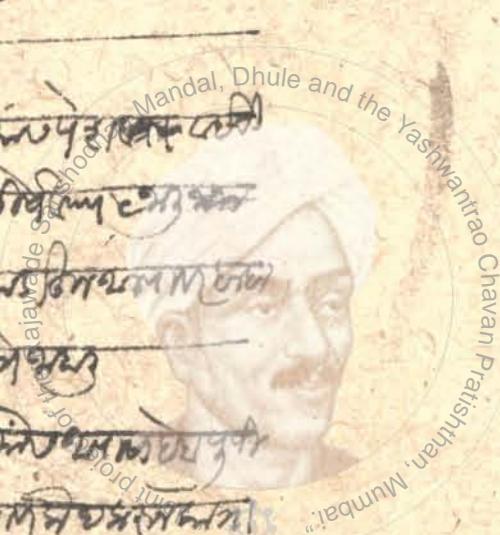
६ अस्त्राणां प्रदेशी उपरोक्त
चयनां विकल्पां विचारां
उत्तरां विचारां विचारां
विचारां विचारां विचारां

(12A)

६ अस्त्राणां प्रदेशी उपरोक्त
चयनां विकल्पां विचारां
उत्तरां विचारां विचारां
विचारां विचारां विचारां
विचारां विचारां विचारां
विचारां विचारां विचारां

६ अस्त्राणां प्रदेशी उपरोक्त
चयनां विकल्पां विचारां

(12B)



"शोध संस्कृत प्रौद्योगिकी मंडल, धुले और यशवंतराव चावण प्रतिष्ठान, मुम्बई"



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com